Nai Dunia (Indore), 1st December 2019, *Nai Dunia Live*, Page-17

आईआईटी इंदौर के छात्र फ्रांस के संस्थानों में कर सकेंगे पढ़ाई

एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए आईआईटी ने साइन किया एमओयू

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

भारत और फ्रांसीसी नेटवर्क के बीच शैक्षिक और वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर ने इंडो-फ्रेंच ज्ञान शिखर सम्मेलन में शिरकत की। संस्थान ने एमएचआरडी की शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग संस्थान (एसपीएआरसी) की योजना के तहत फ्रांस में आयोजित हुए ज्ञान सम्मेलन के दूसरे संस्करण में हिस्सा लिया। यह आयोजन फ्रांसीसी दूतावास द्वारा आयोजित किया गया था।

दो दिवसीय आयोजन में आईआईटी के अधिकारियों ने फ्रांस के विभिन्न संस्थानों का भ्रमण किया। इसमें एरोनॉटिक्स एंड स्पेस, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, पर्यावरण-ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट सिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कई क्षेत्रों के बारे में जानकारी ली। बिग डाटा, मैथेमेटिक्स, स्ट्रेंथिंग एम्प्लॉयबिलिटी एंड आंत्रप्रेंयोरशिप के बारे में भी फ्रांस में हो रहे कामों के बारे में टीम ने महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की।

भारत और फ्रांस में वैज्ञानिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी इंदौर एक नोडल संस्थान के

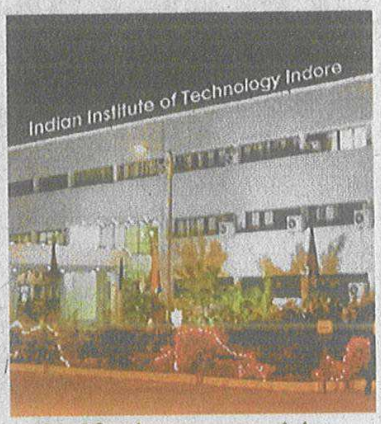

आईआईटी इंदौर। ● फाइल फोटो

रूप में काम कर रहा है। आईआईटी इंदौर की टीम ने आयोजन में एक्सचेंज और संयुक्त कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों की गतिशीलता बढ़ाने की संभावना पर जोर दिया। इससे भारतीय छात्रों को फ्रांसीसी यूनिवर्सिटी के उद्योगों से संपर्क करने का मौका मिलेगा। आईआईटी ने भारत की अनुसंधान प्रयोगशाओं और यहां के शैक्षणिक संस्थानों में फ्रांस के छात्र दौरा कर सकें इसके लिए एक सहयोगी ऑनलाइन पोर्टल विकसित करने की बात कही। यहां के छात्र भी विदेशों में जाकर वहां के शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई कर सकें इसे लेकर भी बात की गई। शिखर सम्मेलन का मकसद दोनों देशों के बीच के शिक्षण और अनुसंधान संबंधों को बेहतर करना था।

इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा

आईआईटी इंदौर ने छात्रों और फैकल्टी के सदस्यों के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए नेशनल पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट ऑफ टूलूज के साथ एमओयू भी साइन किया। सम्मेलन के सत्र में आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. प्रदीप माथुर ने इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने और संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षणिक कार्यक्रमों में अंतर्राष्ट्रीयकरण को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। सम्मेलन के आखिरी दिन इंडो-फ्रेंच टीमों ने तय किया कि एरोनॉटिक्स और स्पेस संघ बनाएंगे। इसके तहत दोनों हर साल मिलेंगे और फ्रांस में इंटर्नशिप संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर देंगे। इस संघ में एरोनॉटिक्स और स्पेस के क्षेत्र में काम करने वाले देशों के शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ भारतीय और फ्रांसीसी उद्योगों को शामिल किया जाएगा। दोनों देशों के छात्रों को संघ से जोड़ने के लिए एक मार्ग का निर्माण किया जाएगा।